दीपावली की शाम गोलियों से गूंजा पड़री गांव

घर में घुसकर बरसाईं गोलियां, भागने के दौरान तीन-चार लोगों को बाइक से मारी टक्कर, पिस्टल, 40 कारतूस और बुलेटप्रुफ जैकेट बरामद

बिरौल (दरभंगा)(आससे)। बिरौल थाना क्षेत्र के पड़री गांव में दीपावली की देर शाम पुरानी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। चचेरे भतीजे ने घर में घुसकर अपने 55 वर्षीय चचेरे चाचा काशीकांत ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक से फरार हो रहे आरोपी कुमोद ठाकुर (45) ने करीब दो किलोमीटर दूर बहेड़ा थाना क्षेत्र के मलौल गांव में दो बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन से चार लोग जख्मी हो गए। एक घायल का इलाज दरभंगा के निजी अस्पताल में चल रहा है।

टक्कर के बाद ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर जमकर पिटाई की और एक स्थान पर बांध दिया। सूचना पर पहुंची बहेड़ा थाना की पुलिस ने उसे ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाकर हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, 40 जिंदा कारतूस, बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट और ग्लव्स बरामद किये गये।

घटना की सूचना मिलते ही बिरौल पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल की जांच में दीवार, दरवाजे और बरामदे के नीचे सहित छह जगहों पर गोली के निशान मिले। मृतक का घर ऊंची चारदीवारी से घिरा है, लेकिन मुख्य गेट खुला रहने के कारण आरोपी आंगन में प्रवेश कर गया। उस समय काशीकांत ठाकुर बरामदे में चौकी पर बैठे थे। आरोपी ने उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। सीने, कनपटी सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय मृतक की पत्नी मीरा देवी घर के अंदर दीपावली पूजा की तैयारी कर रही थीं। संयोगवश वह बाहर नहीं थीं, अन्यथा वह भी हमले की चपेट में आ सकती थीं।



परिजनों के अनुसार, दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि कुमोद ठाकुर करीब एक साल से काशीकांत ठाकुर को जान से मारने की धमकी दे रहा था। चार महीने पहले खेत में भी उसने पिस्टल दिखाकर उन्हें धमकाया था। इसके बाद मृतक ने बिरौल थाने में आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी की दहशत के कारण कोई उसके खिलाफ गवाही देने को तैयार नहीं था, जिस वजह से प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी।

विधवा महिला से मारपीट के विरोध के बाद शुरू हुई रंजिश

ग्रामीणों के मुताबिक, करीब पांच वर्ष पूर्व आरोपी ने एक विधवा महिला के साथ मारपीट की थी। काशीकांत ठाकुर और उनके परिजनों ने इसका विरोध किया था। इसी घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच विवाद और रंजिश बढ़ती चली गई। बताया जाता है कि वारदात वाली रात आरोपी ने पांच-छह रिश्तेदारों के घर जाकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला। बाद में काशीकांत ठाकुर के घर का गेट खुला देखकर वह अंदर घुस गया और हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

फोटो स्टेट दुकान चलाता था आरोपी

ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी पहले फोटोस्टेट और साइबर कैफे की दुकान चलाता था। पिछले दो वर्षों से खेती कर रहा था। उसका व्यवहार आक्रामक बताया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, वह बच्चों के साथ भी मारपीट करता था। करीब एक वर्ष पूर्व उसकी 16 वर्षीय बेटी ने तालाब में कूदकर जान दे दी थी।

कोलकाता और छत्तीसगढ़ में रहते हैं मृतक के दोनों बेटे

मृतक काशीकांत ठाकुर किसान थे। उनके दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र बलराम ठाकुर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रेलवे में कार्यरत है, जबकि छोटा पुत्र अभिराम ठाकुर कोलकाता में चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। पड़री गांव सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर का पैतृक गांव है। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक सांसद के करीबी थे। उनकी हत्या सांसद के पैतृक आवास से महज सौ मीटर की दूरी पर हुई।सरपंच अच्युतानंद ठाकुर ने कहा कि गांव में इस तरह की घटना पहली बार हुई है। उन्होंने आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की। मृतक के बड़े भाई प्रयाग ठाकुर और पोते आशुतोष ठाकुर ने बताया कि आरोपी पूरे परिवार को निशाना बना रहा था। परिजनों ने प्रशासन से आरोपी को न्यायालय के माध्यम से फांसी की सजा दिलाने की मांग की है।

फिलहाल बहेड़ा थाना की पुलिस आर्म्स एक्ट के तहत और बिरौल थाना की पुलिस हत्या के मामले में जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। घटना के बाद पूरे पड़री गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

बंद बोरे में मिली विकास यादव की लाश, प्रशासन पर सवाल

बिस्फी (मधुबनी) (संसू)। प्रखंड क्षेत्र के जाफरा पंचायत भवन के समीप सिमरी निवासी विकास यादव का शव बंद बोरे में मिलने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सह वरिष्ठ राजद नेता विष्णुदेव सिंह यादव ने बिहार की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की अराजक स्थिति आपातकाल में भी ऐसी नहीं थी। डबल इंजन सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। एक ओर सत्ता संरक्षित अपराधियों द्वारा जाति और धर्म के आधार पर गंभीर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा ओर बेलगाम अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता दिखाई दे रहा है और सरकार अपराध नियंत्रण के मोर्चे पर विफल नजर आ रही है। श्री यादव ने कहा कि सिमरी निवासी विकास यादव की इस तरह निर्मम हत्या कर शव को बोरे में बंद कर फेंक देना मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, हत्या में शामिल अपराधियों की अविलंब पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा दोषियों को स्पीडी ट्रायल के माध्यम से कठोरतम सजा दिलाने सहित पीड़ित परिवार को न्याय , नौकरी और उचित सरकारी सहायता की माँग की हैं।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, एक जख्मी

समस्तीपुर (आससे)। समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के पूसा-कल्याणपुर मुख्य मार्ग पर मालीनगर रामलीला चौक के समीप रविवार की देर शाम बाईक सवार दो युवक की मौत घटना स्थल पर ही हो गया। जबकि एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना उस समय हुआ जब अपने बाईक से धर जा रहा था कि बाईक एक पुलिया से टकरा गई। मृतकों की पहचान मालीनगर पंचायत वार्ड 10 निवासी सकल सहनी के 27 वर्षीय पुत्र देवकरण कुमार सहनी तथा सैदपुर पंचायत वार्ड 13 बरेवा टोला निवासी सुरेंद्र पोद्दार के 25 वर्षीय पुत्र शशिकांत कुमार के रूप में हुई है। देवकरण की मौत समस्तीपुर में, जबकि शशिकांत ने सोमवार को पटना में ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल कुंदन का ईलाज निजी क्लिनिक में चल रहा है। सूचना पर पहुंची चकमेहसी पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। थानाध्यक्ष जितेंद्र सहनी ने बताया कि आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की गयी जान

दो गंभीर रुप से हुए घायल, दो बाल बाल बचे

फुलपरास (मधुबनी) (आससे)। थाना क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों पर रविवार की शाम सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी,जबकि हादसे में चार व्यक्ति गंभीर रूप जख्मी हो गए। जख्मी हुए दो युवकों की हालत गंभीर रहने के कारण उन्हें बेहतर चिकित्सा हेतु दरभंगा रेफर कर दिया गया है।

मृतक की पहचान बाबूबरही थाना क्षेत्र के धमौरा गांव निवासी चौधरी राय के पुत्र विजय कुमार राय (32) तथा घोघरडीहा थाना क्षेत्र के बगराहा गांव निवासी प्रभु साह के पुत्र गोविंद कुमार साह (18) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार किसनीपट्टी के समीप एनएच 27 पर एक बाइक सवार ने ट्रैक्टर में पीछे से जोरदार ठोकर मार दिया। जिसमें बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से बेहोशी की हालत में दोनों युवकों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने विजय कुमार राय को मृत घोषित कर दिया और उनके साथी सुरेश्वर राय के पुत्र अविनाश कुमार (26)को गंभीर रूप से जख्मी रहने के कारण बेहतर इलाज के लिए दरभंगा रेफर कर दिया गया।दूसरी ओर फुलपरास-घोघरडीहा सड़क पर बथनाहा ईट भट्ठा के समीप दो बाइकों के जोरदार टक्कर में दो बाइक पर सवार चार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस टीम ने गंभीर रूप से जख्मी चारों युवकों को बेहोशी की हालत में इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।

चिकित्सकों ने बगराहा निवासी गोविंद कुमार साह को मृत घोषित कर दिया वहीं गंभीर रूप से जख्मी बथनाहा गांव निवासी अशोक कुमार मंडल के पुत्र राहुल कुमार (17) को गंभीर हालत में बेहतर इलाज के लिए दरभंगा रेफर कर दिया। दूसरी बाइक पर सवार मामूली तौर पर जख्मी गोरगामा निवासी सुरेश कुमार व मनीष कुमार को अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दिया गया। थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त तीनों बाइकों को जब्त करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पैसे के लेन-देन में युवक की हत्या, दो गिरफ्तार

समस्तीपुर(आससे)। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र से लापता युवक रोहन कुमार की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के समर्था वार्ड संख्या-11 निवासी सुमन कुमार, पिता मंटून सिंह तथा बेगूसराय जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के संजात गांव निवासी पप्पू रजक, पिता महेंद्र रजक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 03 नवंबर की रात रोहन कुमार लापता हो गया था। इस संबंध में 04 नवंबर को विभूतिपुर थाना कांड संख्या 537/36 के तहत तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी एवं पारंपरिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को तकनीकी एवं पारंपरिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि 3 नवंबर की रात रोहन कुमार की अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शव को सिमरिया घाट स्थित गंगा नदी में बहा दिया गया। मुख्य आरोपित सुमन कुमार की निशानदेही पर मृतक की बुलेट मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस गोताखोरों एवं जाल की मदद से शव की तलाश कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण आपसी पैसे का लेन-देन बताया जा रहा है। पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है तथा मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है। छापेमारी टीम में विभूतिपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा सहित पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

'एक दीया विधिक सेवा के नाम' कार्यक्रम से दी नि:शुल्क कानूनी सहायता

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर एडीआर भवन में कार्यशाला, जागरूकता रैली व डोर-टू-डोर अभियान आयोजित

दरभंगा (आससे)। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को नि:शुल्क कानूनी सहायता के प्रति जागरूक किया गया।



प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा के निर्देश तथा प्राधिकार की सचिव आरती कुमारी के मार्गदर्शन में मुख्य समारोह न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में आयोजित हुआ। इस दौरान 'एक दिया, विधिक सेवा के नाम' विषय पर कार्यशाला सह विधिक जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लीगल ऐड डिफेंस चीफ प्रकाश स्वरूप सिन्हा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1995 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 लागू हुआ था। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर, गरीब एवं वंचित वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ आकर्षक रंगोली के बीच दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद प्रतिभागियों ने विधिक सेवा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रैली निकाली। इसमें पैनल अधिवक्ताओं, पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं प्राधिकार के कर्मियों ने भाग लिया।

इसी क्रम में मंडल कारा दरभंगा में लीगल ऐड डिफेंस के सदस्य पिंकु कुमार यादव एवं अंकुर प्रिया ने बंदियों को नि:शुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी। वहीं, उपकारा बेनीपुर में पैनल अधिवक्ता विनोद कुमार मिश्र एवं विनय कुमार झा ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया।

दूसरी ओर, डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान के तहत केवटी प्रखंड में पीएलवी निलांबर मिश्र एवं प्रीति कुमारी, बेनीपुर प्रखंड में अनिल पासवान एवं सीमा कुमारी तथा कुशेश्वरस्थान में रामनाथ यादव एवं रानी कुमारी ने घर-घर जाकर लोगों को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों तक न्याय की सुलभता और विधिक सहायता का संदेश पहुंचाया गया।

ट्रक में लगी आग

समस्तीपुर(आससे)। समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप के समीप एक खड़ी ट्रक रविवार की देर रात एक खड़ी ट्रक में आग लगने से ट्रक जलकर राख हो गया। अग्निशामक द्वारा आग पर काबू पाया गया ट्रक मालिक की पहचान बेगूसराय जिले के बछवारा थाना क्षेत्र के चमथा गांव निवासी विवेक कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो ट्रक खड़ी थी। उपचालक खाना खाने के लिए लाइन होटल पर गया था। इसी बीच ट्रक में आग की लपेट तेज हो गया। आग कैसे लगा यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं थाना अध्यक्ष रणवीर कुमार रावत ने बताया कि जांचों उपरांत आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

दीपावली आनंद और उल्लास के वातावरण में संपन्न

मधुबनी/फुलपरास(आससे)। जिले में प्रकाशोत्सव का पर्व दीपावली रविवार को आनंद एवं उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। दीपावली के अवसर पर लोगों ने अपने अपने तरीके से घरों में प्रकाश हेतु बिजली के रंग बिरंगे बल्ब और झालर लगाये। लक्ष्मी गणेश जी की पूजा अर्चना कर घर परिवार एवं लोगों के लिए दुआएं मांगी गई। एक ओर जहाँ पारंपरिक दीपों का उपयोग कम रहा वहीं किरासन तेल का ढ़िबरी एवं लुक्का-बाती बिल्कुल विलुप्त दिखा। मंहगाई की मार का असर दीपावली के त्योहार पर साफ नजर आया। लोगों ने पटाखों के बढ़े कीमतों के कारण इसका उपयोग भरसक कम ही किया। मिठाईयों की बिक्री भी सामान्य से बहुत अधिक नहीं बताई जा रही है। दीपावली के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सराहनीय रही। लहरिया कट बाईक चालकों करतूतों से थाना क्षेत्र के दो जगहों पर हुई सड़क दुर्घटना ने दीपावली के उत्साह पर कहीं न कहीं कुठाराघात किया। खानापूरी में पुलिस की परेशानी बनी रही। सोमवार को पूरे ईलाके में गोवर्धन पूजा की धूम रही। इस अवसर पर आयोजित होने वाले हुरा-हुरी एवं कुश्ती अब सिर्फ यादों में ही सिमट कर रह गया है।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर डीएम ने किया विभिन्न घाटों का निरीक्षण

समस्तीपुर (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर समस्तीपुर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। गंडक नदी में पानी काफी बढ़ने के बाद अब स्थिति धीरे-धीरे स्थिर हो गई है। नदी के जलस्तर में सुधार आने के बाद प्रशासन ने घाटों की व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम तेज कर दिया है। कुछ घाटों पर मिट्टी के कटाव हुए हैं तो कुछ जगहों पर अतिरिक्त मिट्टी भी जमा हुई है, जिसे ठीक किया जा रहा है।



पर्व की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा ने सोमवार को नगर निगम क्षेत्र के गंडक नदी एवं विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने घाटों की साफ-सफाई, पहुंच पथ, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंतजामों की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि छठ घाटों और उनके आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्ते पूरी तरह दुरुस्त रहें।

सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने खतरनाक और गहरे पानी वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां मजबूत बैरिकेडिंग कराने को कहा। इसके साथ ही, घाटों पर पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित गोताखोरों, आपदा मित्रों की तैनाती के अलावा एसडीआरएफ की टीम को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया। ?श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए घाटों पर पेयजल, अस्थायी शौचालय, चेंजिंग रूम, प्राथमिक चिकित्सा शिविर, नियंत्रण कक्ष और आवश्यक चेतावनी बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए गए।

पर्व के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महापर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा नदी में फैली गंदगी और विशेषकर प्लास्टिक जैसी गैर-विघटनकारी सामग्रियों को हटाया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने लोगों से विशेष अनुरोध किया है कि वे नदियों में प्लास्टिक या इस तरह की ना गलने वाली चीजें न डालें। हालांकि फूल और प्रसाद जैसी चीजें पानी में प्रवाहित हो जाती हैं, लेकिन प्लास्टिक डालने से कचरा जस का तस बना रहता है। जिलाधिकारी ने कहां कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर समय रहते अपनी तैयारियां पूरी करें, ताकि यह पावन पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस निरीक्षण के दौरान मेयर अनीता राम, अपर समाहर्ता बृजेश कुमार, नगर आयुक्त गौतम कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख पदाधिकारी और एसडीआरएफ के अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

अहल्यास्थान में विकास कार्य ठप, दो एजेंसियों के विवाद में फंसा निर्माण

जाले (दरभंगा) (आससे)। प्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल अहल्यास्थान में विकास कार्य बीते दो माह से अधिक समय से ठप पड़ा है। परिसर में जगह-जगह अधूरी खुदाई और खुले गड्ढे श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इधर अहल्यास्थान महोत्सव के आयोजन की तैयारियां तेज होने की चर्चा है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने विकास कार्यों को अधूरा छोड़ महोत्सव की तैयारी पर सवाल उठाए हैं। मालूम हो कि बीते छह अगस्त को जिलाधिकारी कौशल कुमार ने अहल्यास्थान का निरीक्षण कर विकास कार्यों की समीक्षा की थी। इस दौरान संबंधित विभागों और निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर 10 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया गया था। लेकिन दो माह से अधिक समय बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। अहल्यास्थान के सौंदर्यीकरण और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से कराए जा रहे थे। आधे से अधिक कार्य पूरा होने के बाद निर्माण बंद हो गया। वहीं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से श्रीराम जानकी दरबार के जीर्णोद्धार और संरक्षण सहित अन्य कार्य प्रस्तावित हैं। दोनों एजेंसियों के कार्यक्षेत्र को लेकर उत्पन्न गतिरोध के कारण विकास कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान परिसर में कई जगहों पर खुदाई कर उसे अधूरा छोड़ दिया गया है। बरसात के दौरान गड्ढों में पानी जमा होने से श्रद्धालुओं के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं। ऐसे में परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि महोत्सव के आयोजन पर करीब 30 लाख रुपये खर्च करने की तैयारी है, लेकिन स्थल पर बुनियादी विकास कार्य अधूरे पड़े हैं। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में अधूरी खुदाई और खुले गड्ढों के बीच आयोजन स्थल की व्यवस्था चुनौतीपूर्ण हो सकती है।



दरभंगा आरएमएस व आईसीएच का मुजफ्फरपुर में विलय उचित नहीं : डॉ. गोपाल जी ठाकुर

केंद्र की वर्तमान व्यवस्था बनाए रखने के लिए डाक विभाग के उच्चाधिकारियों से की बात



दरभंगा (आससे)। दरभंगा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विकसित हो रहा महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में यहां संचालित रेलवे मेल सर्विस (आरएमएस) एवं आईसीएच का मुजफ्फरपुर में विलय करना उचित नहीं है। उक्त बातें स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने रविवार को लहेरियासराय स्थित संसदीय कार्यालय में आरएमएस कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कहीं। सांसद ने कहा कि दरभंगा में दो विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट, तारामंडल, आईटी पार्क, डीएमसीएच एवं सुपरस्पेशलिटी अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थान संचालित हैं। वहीं एम्स, इसरो केंद्र सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। ऐसे में यहां आरएमएस केंद्र की उपयोगिता और बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि डाक विभाग के बिहार परिमंडल द्वारा 4 नवंबर 2026 को जारी आदेश में दरभंगा आरएमएस एवं आईसीएच का मुजफ्फरपुर में विलय किए जाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने विभाग के शीर्ष अधिकारियों से बात कर वर्तमान व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया है। सांसद ने कहा कि इस विलय से स्थानीय डाक सेवाओं और कर्मचारियों को व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। जरूरत पड़ने पर वे केंद्रीय डाक एवं संचार मंत्री से भी मिलेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दरभंगा आरएमएस केंद्र यहीं रहेगा, ताकि आम लोगों की सुविधा और स्थानीय हित प्रभावित न हों।

छठ घाटों का विधायक ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिये निर्देश

साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था समय पर दुरुस्त करने को कहा

मनीगाछी (दरभंगा) (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थानीय विधायक सह जदयू



जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सदर प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने करीब दो दर्जन घाटों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। विधायक ने बलहा, गौसाघाट, तेलहन, ब्रह्मस्थान महादेव पोखर, भूसकोल रामबरई, खरुआ, मुरिया तरसराया, छोटाईपट्टी तथा दुलारपुर स्थित रामजानकी मंदिर घाट सहित विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों की साफ-सफाई, जलस्तर, पहुंच पथ, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति देखी। इस अवसर पर विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता का महान पर्व है। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रती एवं श्रद्धालु नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के घाटों पर अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसलिए उनकी सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को घाटों की नियमित सफाई, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित आवागमन, खतरनाक घाटों पर बैरिकेडिंग तथा जरूरत के अनुसार सुरक्षा एवं आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भी छठ घाटों की व्यवस्था में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान सदर बीडीओ रवि रंजन, घनश्याम राय, विद्यासागर यादव, बैजनाथ मंडल, चंदन जायसवाल, लालबचन मंडल, अरुण मंडल, मो. जमशेद, नारायण मंडल, श्रवण मंडल, उदय शंकर मंडल, राजेश मंडल सहित प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं एनडीए कार्यकर्ता मौजूद थे।

संवेदनशील छठ घाट का निरीक्षण

खानपुर /समस्तीपुर (आससे)। प्रखंड में त्रिमूहानी घाट बागमती नदी एवं बूढ़ी गंडक नदी स्थित घाट, चमरवधा, सिवेसिंगपुर घाट का प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया प्रखंड के आठ संवेदनशील घाट निरीक्षण में उन्होंने साफ सफाई सुरक्षा वास्ते आवश्यक निर्देश दिए बांस बल्ला लाल कपड़ा लटकाकर खतरनाक घाट को चिन्हित करने की बात कहीं गयी। इस अवसर पर बीडीओ विजयकुमार चंद्र सीओ प्रिया आर्यनी आरओ ऋषिकुमार पीओ नीरज कुमार पंचायत के मुखिया अमरजीत कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें हैं।

प्रकाश का पर्व दीपावली एवं मां काली की पूजा भक्तिमय वातावरण में संपन्न

रोसड़ा (आससे)। अनुमंडल के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को प्रकाश का पर्व दीपावली एवं मां काली की पूजा - आराधना भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई । प्रमुख मार्गों एवं विभिन्न चौक-चौराहों पर बनाए गए तोड़न द्वार एवं पूजा स्थलों पर सजावट में दुधिया एवं रंग-बिरंगे रोशनी आकर्षण का केंद्र बना रहा। दीपावली के अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठानों में व्यवसायी वर्ग लक्ष्मी-गणेश का पूजन कर नये खाते-बही का शुभारंभ किया। शाम ढ़लते हीं लोगों ने एक दूसरे को मिठाइयां खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। रंग-बिरंगे बिजली की सजावट एवं कैंडिल से निकलती रोशनी देखते हीं बनता था । वहीं पर्व के मौके पर बच्चों ने जमकर आतिशबाजी करते हुये खुशियों का इजहार किया । वहीं काली पूजा को लेकर शहर के पुरानी चौक स्थित बड़ी काली मंदिर, प्रभु ठाकुर मोहल्ला स्थित काली स्थान छत्रपति नगर कॉली मंदिर, गांधी चौक स्थित श्री राज राजेश्वरी वैष्णवी मां काली मंदिर, गुदरी बाजार, नायक टोली, काली वेदी , डगवर टोली के काली मंदिरों पर मां एक झलक पाने तथा पूजा-आराधना को लेकर श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ लगी रही।



बाढ़ के पानी को बनाया कमाई का जरिया, सिंघाड़े की खेती से किसान को मिली सफलता

10 कट्ठा में 10 क्विंटल उपज, महज 2700 रुपये की लागत; छठ में 50 रुपये किलो बिक रहा सिंघाड़ा



कुशेश्वरस्थान (दरभंगा) (आससे)। कोसी और कमला बलान नदियों से घिरे कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड में बाढ़ और जलजमाव किसानों के लिए हर साल परेशानी का कारण बनता है। लेकिन उसरी पंचायत के अरराही गांव निवासी किसान जवाहर पोद्दार ने इसी जलजमाव को कमाई का अवसर बना लिया है। उन्होंने पारंपरिक धान की खेती से हटकर पहली बार सिंघाड़े की खेती की और बेहतर उत्पादन हासिल किया। किसान जवाहर पोद्दार ने बताया कि 10 कट्ठा जमीन में सिंघाड़े की खेती पर करीब 2700 रुपये खर्च हुए। महज दो माह पांच दिन में फसल तैयार हो गई और लगभग 10 क्विंटल सिंघाड़े की उपज हुई। फिलहाल बाजार में सिंघाड़ा 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। लोक आस्था के महापर्व छठ में प्रसाद के रूप में इसकी मांग बढ़ने से अच्छी आमदनी की उम्मीद है।